शिक्षा प्रहरी

गीता यादव
(प्रधानाध्यापक)
प्रा. वि., ललकी पुरवा,
घाटमपुर, जनपद- कानपुर नगर

पूर्व की स्थिति– प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है और सीखने की क्षमता भी अलग–अलग होती है। प्रायः देखने में आया है कि विद्यालय में प्रवेश करने के उपरांत कुछ बच्चे तो विद्यालयी गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करते हैं तथा दूसरी ओर कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जो संकोचवश या कुछ अन्य कारणों से अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को प्रदर्शित नहीं कर पाते। फलस्वरूप ऐसे बच्चों का व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और वह भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में कठिनाईयों का अनुभव करते हैं।

उपर्युक्त संदर्भ को दृष्टिगत रखते हुए इस नवाचार का सृजन किया गया, जिसका

नाम 'शिक्षा प्रहरी' रखा गया। इस नवाचार का उद्देश्य एक ओर बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना था, तो दूसरी ओर सभी विद्यार्थियों को एक समान स्तर पर लाने का प्रयास करना था, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य भी है।

कियान्वयन– शिक्षा प्रहरी नवाचार का प्रयोग कक्षा 5 के विद्यार्थियों के साथ किया गया। जहाँ 20 बच्चे नामांकित हैं। इन 20 बच्चों में 4 बच्चे अत्यन्त मुखर स्वभाव के हैं जो कक्षा की प्रत्येक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। शेष अन्य बच्चे कक्षा में शांत एवं कम सक्रिय रहते हैं। शिक्षण के दौरान उनकी प्रतिक्रिया नहीं के बराबर रहती है तथा कक्षा–कक्ष में कराया जाने वाला कार्य प्रायः अधूरा रहता है। अनेकों प्रयत्न के बाद भी कक्षा में इन बच्चों को सक्रिय कर पाना अत्यन्त कठिन हो गया था। इन सभी कठिनाइयों को देखते हुए शिक्षा प्रहरी नवाचार की शुरूआत की गयी।

सर्वप्रथम इसके अन्तर्गत कक्षा 5 के उन 4 बच्चों का चयन किया गया जो मुखर स्वभाव के थे और उन्हें शिक्षा प्रहरी के रूप में उत्तरदायित्व सौपें गये। इन चारों बच्चों के चार समूह बनाये गये और उन्हें 4–4 बच्चों को देकर निम्नलिखित जिम्मेदारी सौंपी गयीं–

- अपने समूह के बच्चों की विद्यालय में प्रतिदिन उपस्थिति सुनिश्चित कराना।
- अपने–अपने समूह के बच्चों के साथ प्रार्थना सभा आयोजित करना।
- कक्षा में उनकी सक्रिय सहभागिता को बढ़ाना।
- समूह को समय पर गृह कार्य/कक्षा कार्य करने हेतु प्रेरित करना।
- खेल–कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समूह की प्रतिभागिता कराना।
- पुस्तकालय का नियमित प्रयोग।
- ईको क्लब की सदस्यता।
- बाल संसद व मीना मंच में सक्रिय भूमिका।
- सृजनात्मक और जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग।

उक्त के अतिरिक्त यदि समूह का कोई बच्चा किसी परेशानी का अनुभव कर रहा है, तो उन परेशानियों को शिक्षक के साथ साझा करना तथा उचित विचार–विमर्श से समस्या का समाधान निकालना।

प्रभाव–इस नवाचार के प्रयोग से बच्चों के अन्दर छिपी हुई प्रतिभाएँ बाहर आने लगी हैं। साथ ही वह विद्यालयी गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग करने लगे हैं। प्रायः देखने में आता हैं कि बच्चे अपने शिक्षकों के साथ इतना सहज नहीं महसूस कर पाते है, जितना अपने सहपाठियों के साथ करते हैं। ऐसे में यदि अपना साथी ही शिक्षक के रूप में उन्हें प्रेरित करता है तो निश्चय ही उनमें बदलाव आता है।

यह नवाचार शून्य निवेश पर आधारित है तथा इसके माध्यम से बच्चों में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होती है। शिक्षा प्रहरी नवाचार का प्रयोग प्राथमिक कक्षाओं से लेकर माध्यमिक स्तर की कक्षाओं में बच्चों की विद्यालयी क्रिया कलापों में प्रतिभागिता को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।